2.1 am to request that the concurrence of Rajya Sabha in the said motion, and also the names of the Members of Rajya Sabha so nominated, may be communicated to this House."

THE BUDGET (RAILWAYS), 2004-2005-(Contd.)

श्री लेखराज वचानी (गुजरात) **:** उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं कोई टीका-टिप्पणी नहीं करना चहाता हूं रेलवे की कमिटमेंट क्या है, उसे मैं इस सदन के मार्फत रेलवे ऐडमिनिस्ट्रेशन और रेलवे बोर्ड को बताना चाहता हूं। एक तो मैं कहना चाहता हूं कि अहमदाबाद से दिल्ली तक चार स्टेट्स आती है - गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली। तीन लोग रूट ट्रेन्स चलती थी कन्वर्जन के कारण तीन ट्रेन्स डिसकांटीन्यू की गई है, कन्वर्जन हो गया, क्या यह रेलवे का कमिटमेंट नहीं है कि वह उन्हें चालू करे। मैं सब माननीय सदस्यो से कहता हूं as well as the Minister that three long-route trains which were discontinued earlier, why are they not being restored? उनमें एक गाड़ी थी स्वर्ण जयंती और वह भी फॉर सैकिड़ क्लास। On the one hand, we say that it is for the poor and, on the other hand, we say कि अहमदाबाद से दिल्ली 'राजधानी' जो गाड़ी है, वह 3 के बदले हम 6 दिन करते हैं। राजधानी में कौन बैठता है? राजधानी का टिकट क्या है? राजधानी 3 दिन चले या 6 दिन चले, लेकिन उपसभाध्यक्ष महोदया, मेरी विनती है कि गवर्नमेंट को यह बात देखनी चाहिए कि जो रेलवे की कमिटमेट है, उसे रेलवे को पूरा करना चाहिए।अहमदाबाद में 7 साल पहले रेलवे बोर्ड के चेयरमैंन ने प्रैस कांफ्रेंस में कहा था कि कन्वर्जन के बाद कोई भी सुविधा कम नहीं की जाएगी, बल्कि ज्यादा दी जाएगी। एक ट्रेन, दिल्ली-अहमदाबाद एक्सप्रैस, जो मेरे जन्म से पहले से, 60-70 वर्ष पहले से चलती थी, वह गाड़ी बंद हो गई। गरीबों की एक गाड़ी, जनता एक्सप्रैस बंद हो गई एक लोकल गाड़ी बंद हो गई। वहां के 29 रेलवे स्टेशनों पर जो ये एक्सप्रैस या जनता गाड़ियां खड़ी रहती थी, उन स्टेशनों के आस-पास रहने वाली पब्लिक का क्या होगा, कभी किसी ने यह विचार किया है? यह जो बजट पेश किया गया है, मैं एक शब्द में कहूंगा कि neither it is development nor it is realistic, but it is political. गुजरात को कुछ नहीं दिया गया है। बिहार को नजर में रखकर यह बजट पेश किया गया है। यह कहा गया है कि एक नई ट्रेन हम मुजफ्फरनगर से अहमदाबाद तक ला रहे हैं। वह किस दृष्टि से ला रहे हैं? हमको कोई ऐतराज नहीं है, बिहार के लोग अगर रोजी कमाने के लिए गुजरात या अहमदाबाद आते हैं, बेशक आएं लेकिन जो यह ट्रने चालू करने की बात लालू जी कर रहे हैं, वह गुजरात के लिए नहीं, बिहार के लिए है। मैं रेलवे बोर्ड को चैलेंज करता हूं कि आप फिगर तैयार करो कि प्रति किलोमीटर ब्रॉड गेज में बिहार में क्या इंकम

आती है और गुजरात में प्रति किलोमीटर रेलवे की क्या इंकम है। challenge that it is more than double, वहां पर तो 25 परसैंट लोग खुदा पर जी रहे हैं, वहां कोई कायदा-कानून है नहीं और जितनी भी गाड़ियां चलाई गई हैं, सब बिहार में है। इसलिए मेरी विनती है कि रेलवे अपनी कमिटमेंट पूरी करे। मैं तीन गाड़िया नहीं मागता हूं, मैं कहता हूं कि एक गाड़ी, जो गरीबों के लिए थी, जो जनता एक्सप्रेस थी, वह अहमदाबाद से दिल्ली तक चालू की जाए क्योंकि अभी कोई भी गाड़ी अहमदाबाद से दिल्ली के बीच में चालू नहीं की गई है। एक गाड़ी चालू की गई राजधानी। There is no station in Gujarat; there is no station in Haryana; and there is no station in Delhi. There are only three stations and that are in Rajasthan. और मैंने पहले ही कहा है कि उसका किराया क्या है, वह गाड़ी किसकी है? वह गाड़ी गरीब के लिए थोड़े ही है। अभी डेली "आश्रम एक्सप्रैस" और 'दिल्ली मेल' की छत के ऊपर लोग बैठते हैं। जब अजमेर शरीफ का मेला लगता है तो कितने ही लोग वहां डिब्बों की छत पर बैठकर सफर करते हैं। महोदया, दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि अहमदाबाद और दिल्ली मेल बरसों से चलती है और यह 18 घंटे पुरानी दिल्ली के यार्ड में खड़ी रहती है। कितनी ही बार मैंने रेल मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है कि वह ट्रेन 18 घंटे बेकार खड़ी रहती है, आप क्यों उसे देहरादून तक एक्सटेंड नहीं करते हैं? गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ और राजस्थान के बहुत से लोग हरिद्वार जाते हैं, ऋषिकेश जाते हैं, बद्रीनाथ जाते है, केदारनाथ जाते हैं। इन ट्रेन को extend करने में सबको फायदा है, रेलवे को फायदा है, लोगों को फायदा है, गरीबों को फायदा है। यह गाड़ी पुरानी दिल्ली स्टेशन पर 18 घंटे खड़ी रहती है ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : लेखराज जी, आपकी पार्टी से एक और सदस्य का नाम मेरे पास है, उसके बाद एक और नाम है। कृपया आप समाप्त कीजिए।

श्री लेखराज वचानी : महोदया, जब भी मुझे मौका मिलता है तो मैं रेलवे मंत्री जी को याद दिलाता हूं। आखिर उनको ऐतराज्झ क्या है? गाड़ी है, समय है और इसको चलाने में एक पैसा भी फालतू आपका खर्च नहीं होता है। यहां तो पैसे की कमी की बात होती है। आप नयी गाड़ी नहीं देते हो। गुजरात को आपने एक भी नयी गाड़ी नहीं दी है। मुंबई और गुजरात के बीच में एक थर्ड ट्रैक लाने की बात थी वह मंजूर भी हो गया है लेकिन No money is provided for the third track. The capital of every State is joined with the national capital,Delhi.

लेकिन अभी तक गांधीनगर को दिल्ली से जोड़ा नहीं गया है। यह केवल 7 किलोमीटर का सवाल है। कांट्रैक्ट दे दिया है, पैसे नहीं दिए है। अगर आप कैसे देंगे तो 7 किलोमीटर का काम हो जाएगा और गुजरात की कैपिटल को दिल्ली से जोड़ा जा सकेगा।

महोदया, एक्सपोर्ट, इंपोर्ट, डिफेंस, गवर्नमेंट और व्यापारियों के लिए, सबके लिए बहुत

जरूरी है कि कंडलाबंदर और उसके आस-पास जो छोटे-छोटे बंदर है, उनके लिए एक रास्ता Sanchari to Palampur and Palampur to Jodhpur, अगर यह ज्वाइंन किया जाए तो अच्छा रहेगा। इसका उदघाटन हो गया है और इस पर काम शुरू हो गया है लेकिन पैसे के बगैर क्या होगा ?

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : चलिए, पैसे के लिए मंत्री जी को लिख दीजिएगा।

श्री लेखराज वचानी : मेरे कहने का मतलब यह है कि इससे रेलवे को फायदा है। यह काम जितना जल्दी होगा, इससे रेलवे को ही फायदा होगा। इसलिए यह काम जल्दी होना चाहिए महोदया, मैं आपका ज्यादा समय नहीं लूंगा। गुजरात में तो ऐसा हो रहा है कि जहां मीटर गेज के लिए जमीन थे, रेलवे की broad gauge लाइने तो वहां बन नही रही है। और उस जमीन को बेचने की बात हो रही है। यह क्या बात है? अगर आप मीटर गेज नहीं चला सकते हैं तो कम से कम उस जमीन को तो मत बेचिए। आज नहीं तो कल, जब पैसा आएगा, तब आप उसे कन्वर्ट करके ब्रॉडगेज बना सकते हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : अब आप समाप्त करिए।

श्री लेखराज वचानी : महोदया, अंतिम बात मैं यह कहना चाहता हूं कि कम से कम in the best interest of Gujarat.

यहां तो आपने एक भी ट्रेन नही दी है, कम से कम नॉर्थ गुजरात को साउथ गुजरात से ज्वाइन करने के लिए एक गाड़ी दीजिए। मैं नयी गाड़ी नहीं मांग रहा हूं। एक गाड़ी है – गुजरात क्वीन जो 10 बजे अहमदाबाद पहुंचती है और फिर शाम को 6 बजे बलसार के लिए वापस जाती है – उस गाड़ी को आप अहमदाबाद से आबू रोड़ तक एक्सटेंड कर दीजिए। इससे उस गाड़ी के डिपार्चर और एराइवल में कोई फर्क नहीं पड़ेगा और वह जो इंडस्ट्रियल टाउन है, वहां से रोज डिपार्चर और एराइवल में कोई फर्क नहीं पड़ेगा और वह जो इंडस्ट्रियल टाउन है , वहां से रोज आने –जाने वाले यात्रियों के इससे फायदा होगा।

महोदया, मैंने न किसी की निदा की है, न किसी की सराहना की है। मैं कहता हूं कि रेलवे मंत्री जी को देश की दृष्टि से देखना चाहिए और किसी राज्य के साथ इतना अन्याय हो, यह अच्छी बात नहीं है।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : अब आप हमारे साथ अन्याय मत कीजिए।

श्री लेखराज वचानी : हमको गुजरात का एक मिनिस्टर दिया है- श्री नारनभाई रठवा लेकिन उनकी कुछ चलती नहीं है।

Not a single scheme has been given.

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : अब आप समाप्त करिए, अभी एक और सदस्य बोलने वाले हैं। आप उनका समय भी ले रहे हैं।

श्री लेखराज वचानी : महोदया, हमको जो कुछ दिया है, वह लास्ट ईयर जो बाकी था, वही दिया है। कम से कम ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : हो गया, हो गया, आपने जो बात कहीं, वह समझ मे आ गई, उन्होनें नोट कर ली है। अब आप बैठ जाइए।

श्री लेखराज वचानी : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि कम से कम देश की दृष्टि से हमारे साथ इतना अन्याय नहीं होना चाहिए।

श्री वेद प्रकाश गोयल (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, इस रेल बजट में महाराष्ट्र के साथ जो अन्याय हुआ है, उसके कारण मैं इसका विरोध कर रहा हूं।

श्री वी. नारायणसामी (पांडिचेरी) : क्यों ?

श्री वेद प्रकाश गोयल : महाराष्ट्र के साथ और मुम्बई के साथ जो अन्याय हुआ है उसके लिए मैं विरोध नहीं तो क्या प्रशंसा करूं।

मुम्बई में एक करोड़ से अधिक जनता है, जहां केरल से कश्मीर और बंगाल से गुजरात तक के हर वर्ग के लोग आते हैं। मुम्बई की शरण मे आकर वे अपनी आजीविका चलाते हैं। हमारे जो दो प्रांत है – उत्तर प्रदेश और बिहार, वहां से सबसे अधिक लोग आते हैं जिनको अपने प्रांत में कोई कमाई नही हैं। वे यहां आकर अपना जीवनयापन करते हैं और अपने घर में पैसे भेजते हैं। कुल मिलाकर जो देश की यात्री –संख्या है एक करोड़ दस लाख, उसमें 60 से 62 लाख लोग केवल मुम्बई में सफर करते हैं। यहां इतनी बड़ी रेल की ढुलाई है पेसेंजर्स के लिए तो उसने उसको दिया क्या है? उसमें कहीं कोई जिक्र नहीं है। 40 पेज के भाषण में केवल 10 लाइन के एक पैराग्राफ में इतना भर ही जिक्र है। मैं समझता हूं कि इतना अधिक अन्याय नहीं होना चाहिए था, इतने प्रगतिशील प्रांत पर, जहां से इतना रेवेन्यू आता है। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है।

आपने देखा होगा कि मुम्बई में बड़ी-बड़ी अट्टलिकाएं बनती है, 50 माला, 60 माला। वहां पर जितने भी स्टेशन है, शहर के अदंर, उन सब का कॉमर्शियल एक्सप्लॉयटेशन हो सकता है। उनके ऊपर जो वर्टिकल स्पेस है, अगर उसको यूज करें तो बहुत बड़े-बड़े मॉल और जो फेरी वाले बैठते हैं, उन सबके लिए वहां स्थान दिया जा सकता है। इससे सड़कों पर जो कंजेशन है वह दूर होगा और एक बहुत बड़े रेवेन्य का सोर्स रेलवे को मिलेगा। कंजेशन दूर करने के लिए जो फलाई होगा और एक बहुत बड़े रेवेन्यू का सोर्स रेलवे को मिलेगा। कंजेशन दूर करने के लिए जो फ्लाई ओवर रोड़ पर बने हैं, वे आज की कंजेशन का तो प्रबंध कर सकते है, लेकिन जो प्रगतिशील प्रदेश है, जहां हर रोज संख्या बढ़नी है, व्यापार बढ़ना है, वहां भविष्य के लिए जो मेट्रोपॉलिटन

अरबन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट था, उसके बारे में क्या हुआ, उसको कोई जिक्र नहीं है। कंजेशन केवल रोड पर ब्रिजेज बनाने से दूर नहीं होगी, उसके बजाए हवा में रास्ता बनाने के लिए कुछ हुआ नहीं है । अगर इसका जिक्र होता तो ठीक रहता ।

डबलिंग आफॅ लाइंस के अलावा मैं अन्य चीजों का जिक्र नहीं करूंगा, बहुत सी छोड़ दूंगा । ये है – दीवा से वसाई केवल 40 किलोमीटर , पनबेल से रोहा पोर्ट केवल 75 किलोमीटर और उससे भी कम दीवा से कल्याण, केवल 10 किलोमीटर दो लाइंज़ के ऊपर, वे और पनबेल से जे0एन0पी0टी0 केवल 28 किलोमीटर है । जे0एन0पी0टी0 से है, लेकिन उस तक पहुंचने के लिए जो लाइन है वह बढ़ाई नहीं जा रही है । इस पर ट्रेफिक बढ़ता है आठ-आठ, दस-दस दिन कई बार दो-दो हफ्ते तक बड़े-बड़े जहाज समुद्र मे खड़े रहते हैं । आज के गतिशील समय में कोई जहाज रूकना नहीं चाहता । वे वहां से आगे कोलम्बो पोर्ट चले जाते हैं और फिर कोलम्बो से हमारा माल वापस लाया जाता है । इस प्रकार की पोजीशन है । इसलिए मैंने जो डबलिंग के ट्रेक बताए हैं। उनको ठीक किया जाए। बहुत से नए ट्रेक हैं, गेज कंवर्जन है और ट्रेक्स की रिपेयर है, जिसका मैं जिक्र नहीं कर रहा हूं । ट्रेक्स की रिपेयर्स की सेफ्टी के लिए भी जरूरत है। आपको याद होगा कि दो तीन साल पहले दिल्ली के नजदीक फरीदाबाद में ट्रेक्स की कंडीशन खराब होने के कारण बहुत बड़े-बड़े एक्सिडेंट हुए थे । यह कोई इतना बड़ा काम नहीं है, हिन्दुस्तान में रेल बनती है और बाहर से भी आती है और उनको बदलने में इतना अधिक समय नहीं लगता । लेकिन अगर सिक्योरिटी के दृष्टिकोण से सेंसेटिव हों तो उनका रिपेयर पहले लिया जाए और जो आगे काम करना है उसको बाद में लिया जाए।

एक छोटी सी बात जो मैं समझता हूं वह भावनात्मक है लेकिन बहुत आवश्यक है। महाराष्ट्र में नांदेड़ एक स्थान है। उसका रेलवे हैडक्वार्टर आंध्र प्रदेश के सिंकन्दराबाद में हैं । महाराष्ट्र के जितने भी लोग हैं उनको बस कामों के लिए मुम्बई आना पड़ता है । अगर उसको सेंट्रल रेलवे के साथ जोड़ दिया जाए तो क्या मुसीबत है । मैं वहां पर एम.पी.लेड. प्रोजेक्ट के लिए गया था तो बहुत रिप्रजेंटेशन आए तथा मैंने फॉरवर्ड भी किए । यह एक छोटा सा काम है जिससे सारी जनता को बहुत सहूलियत होगी । यह सिख समुदाय का भी बहुत महत्वपूर्ण धार्मिक स्थान है उसके साथ मैं दो बातें और जोड़ना चाहता हूं । वहां गुरू गोंविद सिंह जी ने देह त्याग किया था। पटना में गुरू गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ था और अमृतसर एक बहुत बड़ा, विश्व विख्यात स्थान सिख समुदाय का है। उनका भावनात्मक जोड़ है। अगर एक गाड़ी नांदेड़ पटना और अमृतसर को जोड़े और हर रोज चले, तो उसको ट्रैफिक इतना मिलेगा, जिसका कोई हिसाब नहीं है । मैं समझता हूं कि बहुत भावनात्मक जोड़ देश का है, उसको "गुरू परिक्रमा एक्सप्रेस" का नाम दिया जा सकता है । ये गुरूओं के स्थान हैं और सिख समुदाय हिन्दुस्तान का बहुत बड़ा

समुदाय है, इम्पोर्टेंट माइनारिटीज हैं। यहां पर माइनारिटी की बहुत चर्चा होती है इसलिए सब माइनारिटी का उसमें समावेश होना चाहिए, केवल एक समुदाय ही नहीं, मैं समझता हूं कि सिख समुदाय के लिए और सारे देश के लिए, क्योंकि वे राष्ट्र पुरूष थे, वे केवल सिख नेता थे, ऐसा नहीं है। गुरू परिक्रमा एक्सप्रेस से उनका भावनात्मक दृष्टि से बहुत बड़ा लाभ होगा।

मैं एक आखिरी बात और कहना चाहता हूं जिसके बारे में बहुत जिक्र हुआ है । माफिया के बारे में बहुत जिक्र हुआ है। माफिया का सबसे बड़ा इफेक्ट कोल की ढुलाई में है। बिहार में और झारखंड में कोल होता है और वहां से पावरहाउस को कोयला मिलता है, आधा मिलता है, पत्थर मिक्स करके मिलता है । पावरहाउस के अलावा इंडस्ट्रीज को भी मिलता है । उन सबकी बहुत बुरी हालत है। इस बजट में माफिया को कंट्रोल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। माफिया में जिक्र केवल स्क्रैप का हो रहा है । कहा जा है कि जो स्क्रैप है उसको ट्रांसपोर्ट तरीके से बेचा जायेगा । यह बड़ी खुशी की बात है । ट्रांसपेंरेसी हर सरकार करना चाहती हैं, लेकिन उस सब को भट्ठी में डालकर और उसमें से रेलवे के लिए नये चक्के बनाये जायें, यह प्रपोजल ठीक नहीं है ।कई किस्म का स्क्रैप होता है, कुछ से तो सरिया बनता है, उसमें सबसे अधिक इन्कम होती है और कुछ को काटकर रोल किया जाता है, उसमें भी अधिक लाभ होता है। भट्ठी में डालने का खर्चा ज्यादा होता है । हर एक स्क्रैप में से रेलवे के व्हील नहीं बन सकते हैं। यह बड़ी काल्पनिक व्यवस्था है, इस पर कोई विचार नहीं हुआ है । इस पर अधिक विचार करके और ट्रांसपरेंट सिस्टम के जरिये इसको बेचा जाये तो यह बड़ी खुशी की बात है । लेकिन सबको एक ही हाथ भट्ठी में डाल देना गलत कदम होगा । मेरा निवदेन है कि माफिया को कंट्रोल किया जाना चाहिए । कोयले की ढुलाई को प्राथमिकता दी जाये । धन्यवाद ।

SHRI RAM JETHMALANI (Maharashtra): Madam, I am not only grateful to you but I must assure you that I will neither overstretch your indulgence nor abuse it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SARLA MAHESHWARI): I. hope so.

SHRI RAM JETHMALANI: I have seen across the board that the hon. Railway Minister has received a word of praise from most quarters. Although his Budget has certainly met some constructive criticism, I am quite sure that the hon. Railway Minister will come and deal with it properly and in a manner which is expected of him. I wish not to repeat the compliments that have been paid to him. But I want to join in those compliments. I want to endorse every word that has been said in his favour. I must say that he has justified the confidence of the electorate of Bihar and the confidence of the Prime Minister who appointed him to this

post. What makes me proud of him is that when he went to Pakistan—I was with him there - the kind of love and affection that he got from the people of Pakistan, that was not a mere act of gracious hospitality but it was an act which was a result of an appreciation of his very peculiar personality and he did endear himself to every body there.

His Budget certainly is evidence of his noval methods of thought and his noval approach to the problems of poor. There has been some criticism of the state of the Railways. But that is a legacy which he has got from the previous regimes. The Railways are in a bad shape and do require a lot of improvement. I am quite sure that the hon. Railway Minister will manfully deal with this great problem. If he achieves even half of what he has promised in the Budget, I think it will be a great achievement.

Madam, I have only two things to say. One is that I have not only written to the Railway Ministry, but I have personally told him, and I wish to say it on the floor of the House, that the first reform that we need in our railway system is the introduction of the closed commode system so that the human wastes do not find a way on the tracks at railway stations, and spoil the beautiful and the pure atmosphere of the countryside. This is one great thing which must be done, and I hope it will be done, whatever be cost involved.

And second, I wish to remind the Railway Ministry of their statutory duty under the Railways Act, and this has relationship with a more important subject; I am talking of Godhra. What happened on that train in Godhra was not an accident. But it was a crime, and the hon. Minister, I am told, is being advised that the Ministry cannot hold an inquiry because if a Commission of Inquiry is inquiring into an accident on the railways, the, no inquiry can be made under the Railways Act. Now, that argument is correct so far as it goes. But that applies only where there has been an accident on a railway and it does not apply where a crime and a wilful crime of the kind that has taken place in Godhra. It is the statutory duty of the Railway Ministry to hold a proper inquiry into what happened in Godhra. This is a duty which they owe to the system of justice; this is a duty which they owe to some of the accused who are being tried in this case. And it is also of great importance to the victims of the Godhra incident and, also ultimately, of the unfortunate and tragic aftermath in the rest of Gujarat.

Madam, I hope, I am not letting out any big secret. But, if the hon. Minister examines his papers, he will find a report from an important

expert agency of the Government of India, which has rendered its expert opinion that whatever is alleged to have happened in Godhra by the Gujarat police has not happened in that manner and the manner was entirely different. You owe it to the administration of justice to make that report public. You must put it in the possession of the Court and you must put it on the Table of this House so that every Member has an occasion to go through that report.

Madam, with these two suggestions that I have made, my gratitude to you and my gratitude to the House for listening so carefully.

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) : अब और किसी माननीय सदस्य का नाम मेरे पास नहीं है इसलिए रेल बजट पर चर्चा समाप्त हुई । कल रेल मंत्री जी इस चर्चा का उत्तर देंगे । सदन की कार्यवाही कल प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित को जाती है ।

The House then adjourned at fifty-three minutes past five of the clock till eleven of the clock on Wednesday, the 14th July, 2003.

MGIPMRND—2281RS—28-09-2004.